Barnebøker for Norge

barneboker.no

गधा बच्चा

Skrevet av: Lindiwe Matshikiza
Illustret av: Meghan Judge
Oversatt av: Nandani

Denne fortellingen kommer fra African Storybook (africanstorybook.org) og er videreformidlet av Barnebøker for Norge (barneboker.no), som tilbyr barnebøker på mange språk som snakkes i Norge.

Dette verket er lisensiert under en Creative Commons
Navngivelse 4.0 Internasjonal Lisens.
https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/deed.no

गधा बच्चा

Lindiwe Matshikiza
Meghan Judge
Nandani
hindi
nivå 3

(uten bilder)

वह छोटी सी लड़की थी जिसने पहले उसे देखा अजीब सा आकर कुछ दूर पर था।

जैसे ही आकर पास आया, उसने देखा कि यह एक भारीभरकम गर्भवती महिला है।

शर्मीली पर बहादुर छोटी लड़की उस औरत के पास गई। “हमें इसे अपने साथ रखना चाहिए,” छोटी लड़की के साथ के लोगों ने फैसला किया। “हम इसे और इसके बच्चे को सुरक्षित रखेंगे। “

गधा बच्चा ओर उसकी माँ ने साथ मिलकर रहना शुरू किया और साथ के साथ जीने के कई तरीके ढूढ़ लिए। धीरे-धीरे, उनके चारों ओर, और परिवारों ने रहना शुरू कर दिया।

गधे ने अपनी माँ को खोज लिया, वह अकेली और बच्चे के खोने से दुखी थी। उन्होंने एक दूसरे को बहुत देर तक देखा। और फिर जोर से एक दूसरे को गले लगाया।

बच्चा जल्द ही आने वाला था। “धकेलो!” “कंबलों को लाओ!” “पानी लाओ!” “जोर से धकेलो!!!”

जब उन्होंने बच्चे को देखा, सभी लोग सदमें में चले गए।
“गधा?!”

गधे को अब पता था कि उसे अब क्या करना है।

...बादल हट चुके थे और उसका दोस्त बूढ़ा आदमी भी।

हर कोई बहस करने लगा। “हमने कहा था कि हम माँ और बच्चे को सुरक्षित रखेगे, और यही हमने किया,” कुछ ने कहा। “पर ये हमारे लिए बुरी किश्मत लेकर आए है!” दूसरे ने कहा।

औरत ने फिर से अपने आपको अकेला पाया। वह परेशान थी कि वह अपने अनचाहे बच्चे के साथ क्या करे। वह परेशान थी कि अपने साथ क्या करे।

ऊँचाई पर बदलो के बीच में वे सो गए। गधे ने सपना देखा उसकी माँ बीमार है और उसे बुला रही है। और जब वह उठा...

एक सुबह, बूढ़े आदमी ने गधे को पहाड़ी की चोटी पर ले जाने को कहा।

अंत में उसने मान लिया कि वह उसका बच्चा है और वह उसकी माँ।

यदि बच्चा उसी आकर में रहता, छोटा ही, शायद चीजें अलग होती। पर गधा बच्चा इतना बड़ा हो गया कि माँ की पीठ पर नहीं आ पाता। उसने बहुत कोशिश की लेकिन वह आदमियों की तरह व्यवहार नहीं कर पाया। उसकी माँ ने बहुत कोशिश किया लेकिन निराशा मिली। कुछ समय वह उसे वे काम करने देती जो जानवरों के लिए बने है।

गधा बूढ़े आदमी के साथ रहने चला गया, उसने उसे जीने के कई तरीके सिखाए। गधे ने बूढ़े आदमी को सुना और उसे सीखा। उन्होंने एक दूसरे को मदद किया, और मज़ाक भी उड़ाया।

गधा जब उठा उसने पाया कि बुढ़ा आदमी उसे घूर रहा है। उसने बूढ़े आदमी की आंखों में देखा जहाँ उसे उमीद की किरण नजर आई।

गधे के अंदर दुविधा और गुस्से का भाव भर गया। वह यह नहीं कर सकता था और वह नहीं कर सकता था। वह इसके तरह नहीं कर सकता था और उसकी तरह भी नहीं। वह बहुत गुस्से वाला बन गया, एक दिन, उसने अपनी माँ को जमीन पर धकेल दिया।

गधा शर्मिंदगी से भर गया। वह दौड़ने लगा वहाँ से दूर जितना तेज दौड़ सकता था।

जब उसने दौड़ना बन्द किया रात हो चुकी थी और वह खो गया था। “ठेचू-ठेचु?” वह अंधेरे में फुसफुसाया। “ठेचु-ठेचु?” उस ने फिर से रेंका। वह अकेला था। उसने अपने आपको सिकोड़ा सख्त गेंद की तरह, उसे दुख भरी गहरी नींद आ गई।